हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–176 : जौनपुर, शुक्रवार 15 अक्टूबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अपनीं कुछ शर्तों के साथ ओम प्रकाश राजभर फिर भाजपा में जाने को तैयार

लखनऊ ब्यूरो : भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भाजपा के साथ जाने को फिर तैयार हो गए हैं। लेकिन अभी भी राजभर ने कुछ शर्तें रखी है। राजभर ने कहा कि जो भी पार्टी इन मांगों पर समझौता करना चाहेगी। 27 अक्टूबर को मऊ के हलधरपुर मैदान में उसके साथ गठबंधन की घोषणा की जाएगी। ओम प्रकाश राजभर की मांग। संकल्प मोर्चा सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट को लागू करने, देश में पिछड़ी जाति की जातिवार जनगणना, प्रदेश में घरेलू बिजली का बिल माफ करने, सभी को स्नातकोत्तर तक मुफ्त शिक्षा, पुलिस की बॉर्डर सीमा समाप्त करने, पुलिस संगठन पर रोक हटाने, होमगार्ड, पीआरडी और ग्रामीण चौकीदार को पुलिस के बराबर वेतन व मदद। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की स्थापना 27 अक्टूबर 2002 को हुई थी। पार्टी के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग की महापंचायत बुलाई गई है। उसी पंचायत में तय होगा कि हम किसके साथ गठबंधन करेंगे। आजादी के 75 वर्ष में अधिकार से वंचित पिछड़ा अल्पसंख्यक, दलित वर्ग अधिकार दिलाने के लिए पिछड़ा वर्ग भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया है। अभी कुछ समय बाद मोर्चा की बैठक रखी गई है। बैठक में 27 अक्टूबर को एक साथ मंच पर दिखने के मुद्दे पर बैठक होगी। बाबू सिंह कुशवाह, बाबूराम पाल, प्रेमचंद प्रजापति, रामसागर

बिंद, कृष्णा पटेल हम सभी मिलकर एक साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्ण शराब बंदी के सवाल पर मोहन भागवत भी बात करते हैं, लेकिन सरकार नहीं मानती है। मैं भाजपा के पास अपने मुद्दे लेकर गया था। मेरा व्यक्तिगत मामला नहीं है। न्याय समिति की रिपोर्ट 2 साल 10 महीने से रद्दी की टोकरी में पड़ी है उसे लागू करने की मांग को लेकर मैंने मंत्री पद छोड़ दिया। ताकि अति पिछड़ी जाति के बच्चे भी दरोगा, लेखपाल, सिपाही, बाबू बन सके। हमने बड़ी कोशिश की थी, लेकिन जब मांग नहीं मानी गई तो मंत्री पद छोड़ दिया। अखिलेश और शिवपाल के मुद्दे पर कहा कि राजनीति में संभावना व्याप्त रही है। मायावती ओर मुलायम के गठबंधन की किसी ने उम्मीद नहीं कि थी, लेकिन दोनों को एक मंच पर देखा। हम अंदर ही अंदर काम कर रहे हैं 27 को पता चलेगा। हमारा प्रयास है जितनी जिसकी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी के सवाल पर हम एक हैं।

सीतापुर में हाईवे पर कारों की भिड़ंत में एक की मौत, सात लखीमपुर के निवासी

सीतापुर ब्यूरो : सीतापुर में कोतवाली सिधौली इलाके में शुक्रवार को दो कारों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। घायलों में दंपति भी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है जबकि अन्य को जिला अस्पताल भेजा गया है। मौके पर डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। सिधौली इलाके में गड़िया हसनपुर के पास शुक्रवार दोपहर दो कारों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में कारों के परखच्चे उड़ गए। जबकि उसमें सवार करीब 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर सिधौली पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल लोगों को सिधौली सीएचसी में भर्ती कराया। सिधौली कोतवाल आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि अस्पताल लाते समय रास्ते में ही बिसवां के ब्राह्मणी टोला निवासी बशीम की मौत हो गई। जबकि बिसवां के निवासी श्याम मूर्ति गुप्ता, उनकी पत्नी रेनू गुप्ता, बिसवां के रायगंज निवासी शालिनी गुप्ता, लखीमपुर के पलिया

इलाके के निवासी ब्रजेश कुमार, पुरुषोत्तम, विमल कुमार, रामजी, लौंगश्री, गोमती को सिधौली सीएससी में भर्ती कराया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने श्याम मूर्ति गुप्ता, रेनू गुप्ता समेत चार लोगों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। अन्य पांच घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। सिधौली कोतवाल का कहना है कि घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना पाकर मौके पर डीएम विशाल भारद्वाज, एसपी आरपी सिंह भी पहुंच गए हैं।

रोशन रहे दशहरा इसलिए सरकार ने लगाई ताकत, कोयले की किल्लत बरकरार

लखनऊ ब्यूरो : दशहरे पर विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने पूरी ताकत लगाई है। कोशिश यह है कि शुक्रवार को बिजली कटौती न हो। इसके लिए अन्य प्राइवेट ट्रेडर्स से भी बात की जा रही है ताकि हर सूरत में बिजली उपलब्ध हो जाए। आलम यह है कि सरकार को महंगी दर पर बिजली खरीदनी पड़ी है। उधर, कोयले का संकट अभी बरकरार है और संयंत्र अपनी पूरी क्षमता से विद्युत उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। कोयले की कमी के कारण इस समय पूरे प्रदेश में बिजली संकट गहराया हुआ है। गांव से लेकर शहरों तक विद्युत कटौती की जा रही है। उधर त्योहारी सीजन में व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सीएम योगी ने कहा है कि रात को बिजली कटौती न हो। इसके लिए प्राइवेट ट्रेडर्स से महंगी दर पर बिजली खरीदी जा रही है। अब शुक्रवार को दशहरा पर्व पर विद्युत आपूर्ति सही रहे, इसके लिए सरकार ने ताकत लगाई है। चूंकि इस दिन बिजली खर्च ज्यादा होगा तो आशंका यह है कि कहीं निजी ट्रेडर्स के पास भी इसका संकट न हो जाए या रेट बहुत ज्यादा न बढ़ जाए। ऐसे में उन ट्रेडर्स से भी संपर्क किया जा रहा है जिनसे अभी तक

बिजली नहीं खरीदी गई है। सरकार ने बुधवार को 19 रुपये बीस पैसे प्रति यूनिट की दर से 63 करोड़ रुपये में 27 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी। बृहस्पतिवार को शाम तक 16 रुपये 50 पैसे प्रति यूनिट की दर पर 34 करोड़ 82 लाख रुपये में 21 मिलियन यूनिट खरीदी गई। तैयारी यह है कि शुक्रवार को भी इससे ज्यादा बिजली खरीदनी पड़ी तो खरीदी जाएगी। राहत की बात यह है कि दशहरा पर अवकाश के चलते काफी कार्यालय, काफी औद्योगिक इकाइयां, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, स्कूल कालेज बंद रहते हैं जिससे बिजली कम खर्च होगी। बावजूद इसके यदि और ज्यादा बिजली खरीदनी पड़ी तो इसकी पूरी तैयारी है। उधर कोयला संकट के चलते हरदुआगंज में 110 मेगावाट तथा पारीछा में 210 मेगवाट की एक एक इकाई बंद हो गई। यहां कोयला आया पर डिमांड से काफी कम आपूर्ति हुई।

अफ्रीका के जाम्बिया देश में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि का त्यौहार

लुसाका, जाम्बिया (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : अफ्रीका के जांबिया देश की राजधानी लुसाका शहर में नवरात्रि की रही धूम भारतीयों द्वारा निर्मित हिंदू देवी देवताओं के मंदिरों में जय माता दी का जयाघोष नवरात्रि के नौ दिनों तक होता रहा वहीं पर लुसाका में स्थित नवनिर्मित साईं मंदिर में नवरात्रि बड़े ही हर्ष और पूजा अर्चना के साथ सभी भारतीयों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और नौ दिन तक देवी गीत भजन संध्या के माध्यम से पूरे मंदिर परिसर का वातावरण शुद्ध कर दिया जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्ति मय हो गया वहीं पर मंदिर के पुजारी पंडित आनंद कुमार जो कि दक्षिण भारत से हैं साईं मंदिर परिसर में निरंतर पूजा पाठ का कार्य करते हैं और बहुत ही विधि विधान के साथ नवरात्रि का पूजन करने के साथ–साथ मां दुर्गा की प्रतिमा स्वयं अपने हांथों से बनाकर मंदिर परिसर में स्थापित किया नौ दिनों तक पूजा अर्चना दुर्गा चालीसा दुर्गा सप्तशती सहित अन्य ग्रंथों और आरती के माध्यम से नवरात्रि के अंतिम दिवस नवमी के दिन हवन कर पूर्णाहुति किया. वहीं दूसरी तरफ श्री राधे कृष्णा मंदिर

मैं भी गरबा कार्यक्रम नौ दिनों तक निरंतर चलता रहा जिससे पूरे शहर का वातावरण शुद्ध हो गया जय माता दी के जयकारे से पूरा शहर गूंज उठा.वहीं पर रामकृष्ण वेदांता सेंटर में भी माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई जहां पर माँ दुर्गा की झांकी देखने के बाद लोग मोहित हो गए। इस अवसर साइंस सेंटर से जुड़े सभी श्रद्धालु गण एवं अन्य भक्त उपस्थित रहे।

प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना सोनी चौरसिया का हुआ भव्य स्वागत, ''घर वाले अखबार से जाने बेटी का हुनर''

जलालपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार स्थित भोजपुरी अभिनेता चन्दन सेठ के निवास स्थान पर शुक्रवार को वाराणसी की प्रख्यात नृत्यांगना सोनी चौरसिया का भव्य स्वागत हुआ।त्रिलोचन महादेव स्थित शिव मंदिर पर सोनी चौरसिया ने दर्शन–पूजन कर बाबा भोले नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।श्री सेठ के निवास स्थान पर प्रेसवार्ता में सोनी चौरसिया ने बताया कि वो अभी हाल ही में वाराणसी से स्केटिंक करते हुए लखनऊ तक करीब 300 किमी. की यात्रा से लौटी हैं।उन्होने अपने शुरूआती दौर के बारे में बताया कि लड़की होने के नाते घर से बाहर निकले की अनुमति नही होती थी।मै घर से झूठ बोलकर मेरे स्केट के गुरू राजेश डोगरा जी से इसका प्रशिक्षण लिया।जब पहली बार जिला स्तरी स्केट में प्रथम आयी तो पेपर के माध्यम से पापा को पता चला तब पापा ने मेरे हौसले को बढ़ाया।उन्होने बताया कि 2016–17 तीन बार लिम्का बुक में अपना नाम दर्ज करा चुकी हूं।तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के द्वारा यश भारती सम्मान से पुरस्कृत किया गया।पहली बार कत्थक में 87 घण्टे लगातार नृत्य में हार गई दिमाक काम

करना बंद कर दिया था लेकिन हौशला नहीं हारी।दुसरी बार में 126.5 घंटे लगातार कत्थक नृत्य करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में अपना नाम दर्ज कराया।गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाली सोनी बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ व मिशन शक्ति का ब्रांड एंवेसडर बनाए जाने के बाद जागरूकता का बीड़ा उठाया है।कलाकार चन्दन ने सोनी चौरसिया को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्रम् देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर राजेश डोगरा,बाल गायिका विदुषी वर्मा,विनय वर्मा,सचिन सेठ श्लोक,सुर्दशन मिश्रा,प्रज्ञान वर्मा,अजय गिरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

वैदिक रीति रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ राजमहल का शस्त्र पूजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जौनपुर रियासत के 12वें नरेश राजा अवनीन्द्र दत्त द्वारा हवेली में शस्त्र पूजन वैदिक रीति रिवाज से शुभ दशहरा पर्व पर विजयदशमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे विधि–विधान पूर्वक संपन्न हुआ ।लगातार 200 से अधिक वर्षों से यह शस्त्र पूजन का कार्यक्रम हवेली के दरबार हाल में होता चला आ रहा है। कोविड–19 के कारण गत वर्ष से दरबार का शानदार दृश्य देखने को नहीं मिल रहा है। जिसमें शहर के गणमान्यजन, व्यापारी, अलग लिवास में शानदार साफे की पगड़ी पहने दरबार हाल की शोभा बढ़ाते हैं। यही नहीं राजा साहब जौनपुर के पोखरा पर मेला एवं राजा जौनपुर द्वारा रावण दहन देखने के लिए गांव–देहात से आने वाली अपार भीड़ भीड़ निराश भाव से उस दिन का इंतजार कर रही है,जब कोविड के भय से मुक्ति मिले और एक बार फिर रौनक लौटे और रावण दहन और मेरे का आनन्द आमजन ले सकें। जौनपुर रियासत के प्रथम नरेश राजा शिवलाल दत्त ने 1798 में विजय दशमी के दिन शस्त्र पूजन एवं दरबार की शुरुआत की थी। शानदार दरबार हाल में उस समय के जिलेदार (ठिकानेदार), सर्वराकार, राज वैध, हकिम, व्यापारी सहित गणमान्यजनों की उपस्थिति में शस्त्र पूजन वैदिक रीति रिवाज से राज ज्योतिषी द्वारा निर्धारित लग्नानुसार सम्पन्न हुआ करता था। तत्पश्चात द्वितीय राजा बाल दत्त की धर्मपत्नी रानी तिलक कुंवर ने 1848 में पोखरे पर विशाल भव्य मेले की शुरुआत की थी । राजा जौनपुर की सवारी शाही अंदाज में हवेली से मानिक चौक,सिपाह होते हुए मेला स्थल (राजा साहब का पोखरा)

तक पहुंच कर रावण दहन करने के बाद शम्मी पूजन करते हुए वापस हवेली पहूंचती थी। इस दौरान राजा का दर्शन करने वालों की भीड़ देखने लायक होती है। यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। महारानी तिलक कुंवर ने इसी वर्ष (1845) में रामलीला की शुरुआत की थी। जो रामनगर में होने वाली रामलीला के तर्ज पर होता था। जिसका प्रारंभ ''राजा बाजार''से होकर राजा साहब के पोखरा पर राम–रावण युद्ध के बाद रावण दहन फिर राज तिलक के पश्चात पूर्ण होता था। राजा की सवारी हवेली पहूंचती थी। पंडित जी की रामलीला ने इसे जारी रखने का प्रयास किया है। वर्तमान राजा को आज भी एक दिन के लिए राजा का सम्मान सरकार की तरफ से प्राप्त है।वर्तमान समय में अनेकों घरानों, संगठनों द्वारा शस्त्र पूजन का विधान किया जा रहा है, लेकिन जौनपुर रियासत के हवेली स्थित आकर्षक ''दरबार हाल'' में जो राजपुरोहित सहित पांच पंडितों की उपस्थिति में होता है वह इस दृष्टि से भिन्न है कि यहां नये शस्त्रों की नहीं बल्कि पुराने शस्त्रों की पूजा वैदिक रीति रिवाज से मंत्रोचार के साथ विधिवत सम्पन्न होती है। भारतीय संस्कृति सभ्यता परम्परा को जीवित रखने वाले ऐसे घरानों की जय हो।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

अधिवक्ता के भाई ठेकेदार की अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर की हत्या

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा थाना क्षेत्र के मई गांव में शुक्रवार अलसुबह बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर एक व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया। इस सनसनी खेज वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है। सूचना मिलते एसपी देहात, सीओ सदर समेत भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद बदमाशो की तलास कर रही है।विदित हो कि मृतक कलेक्ट्रेट

बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अधिवक्ता बृजेश यादव के भाई हैं। उक्त गाँव निवासी 62 वर्षीय अखिलेश यादव ठीकेदार प्रतिदिन की तरह आज सुबह 5 बजे मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे घर से करीब 500 मीटर दूर मई बाजार में अज्ञात बाइक सवार बदमासों ने गोली मारकर हत्या । सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर मामले की जांच में जुटी है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण त्रिभुवन सिंह ने बताया कि बक्सा थाना क्षेत्र के माई गांव निवासी अखिलेश यादव सुबह टहलने निकले थे साथ में उनके भाई भी थे वापस लौटते समय बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने रुकने नमस्कार किया फिर उनसे पूछा अखिलेश यादव कौन है उनका मैं हूं तत्काल इनके ऊपर फायर करते हुए फरार हो गए हैं। घटनास्थल पर ही इनकी मौत हो गई है। परिजनों से कोई तहरीर प्राप्त नहीं है तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि इनकी हत्या किसी अनजान व्यक्ति ने सुपारी लेकर किया है बदमाश कल सुबह घटना को अंजाम देकर एक बार फिर पुलिस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

वरिष्ठ पत्रकार पंडित चन्द्रेश मिश्र का निधन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षक पंडित चंद्रेश मिश्र का शुक्रवार को हृदय गति रूकने से निधन हो गया । वे लगभग 93 वर्ष के थे। जिले के केराकत तहसील क्षेत्र के छातीडीह गांव के निवासी पंडित चंद्रेश मिश्र को 1954 में राजा यादवेंद्र दत्त दुबे ने राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज जौनपुर में अध्यापक के रूप में नियुक्त किया, इसके साथ ही 1955 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं

हिंदी दैनिक आज के तत्कालीन संवाददाता स्वर्गीय पंडित अभय जीत दुबे ने इन्हें अपने जगह पर वाराणसी से प्रकाशित हिंदी दैनिक आज में जौनपुर जिले का जिला संवाददाता नियुक्त करा दिया । श्री मिश्र 1990 तक लगातार 35 वर्ष तक आज अखबार में पत्रकारिता करते रहे । 1990 तक से जून 1991 तक ये वाराणसी से प्रकाशित दैनिक जागरण के भी जिला संवाददाता जौनपुर रहे ।जौनपुर में पत्रकारिता के भीष्म पितामह कहे जाने वाले पंडित चंद्रेश मिश्र इतने व्यवहार कुशल थे , कि इन्हें हर दल के राजनेता पूरा सम्मान देते रहे । 93 वर्ष की उम्र में शुक्रवार इस संसार को छोड़कर सदा के लिए चले गए । चंद्रेश मिश्र के निधन पर जौनपुर पत्रकार संघ ने शोक प्रकट किया है । इस तरह जनपद जौनपुर में पत्रकारिता के एक पीढ़ी का अन्त हो गया है। पत्रकारो में शोक की लहर छा गयी है। उनके निधन की खबर सुनते ही विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा शोक सभाएं कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

दशहरा में शिक्षकों का वेतन न मिलना शिक्षकों के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता हैः सुशील पांडेय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील पांडेय द्वारा आगामी शिक्षक आन्दोलनों के मद्देनजर जौनपुर दौरे पर जनपद के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों की विभिन्न

समस्याओं को लेकर सरकार से कई दौर की वार्ता हुई लेकिन सिर्फ कोरा आश्वासन के अलावा सरकार द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी। इससे स्पष्ट है कि सरकार शिक्षकों के मांगों के प्रति असंवेदनशील है और उसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है दशहरा जैसे प्रमुख पर्व पर शिक्षकों का वेतन न मिलना, यह प्रदेश के लाखों शिक्षकों के परिवार वालों के साथ छलावा है। इस अवसर पर जनपदीय मंत्री सतीश पाठक, संगठन मंत्री अश्वनी सिंह, संतोष सिंह बघेल, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह टोनी, डा अनुज सिंह, मड़ियाहूं अध्यक्ष विशाल सिंह, नवीन सिंह, राकेश सिंह, शशांक शेखर मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जीवन एक रास्ता है, इसे जबरदस्ती नहीं जबरदस्त तरीके से तय करें–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

कांग्रेस की यात्रा के नए पड़ाव

पंजाब कांग्रेस में जो कुछ हो रहा है उसकी आशंका तो उसी दिन हो गई थी जिस दिन राहुल प्रियंका ने सुनील जाखड़ को हटाकर नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष मनोनीत किया था। लेकिन यह सारा ड्रामा इतनी जल्दी शुरू हो जाएगा इसकी किसी को आशा नहीं थी। सीमावर्ती पंजाब में सोनिया कांग्रेस के इस नए प्रयोग से जो अस्थिरता पैदा हो गई है उसको लेकर कांग्रेस के अनेक नेता अपनी अपनी समझ और राजनीति के अनुसार टिप्पणी कर रहे हैं लेकिन सबसे मजेदार टिप्पणी कांग्रेस के जाने–माने वकील कपिल सिब्बल ने की है। वह कह रहे हैं कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कांग्रेस में निर्णय कौन ले रहा है। इतने दशकों से सोनिया कांग्रेस के मुकदमे लड़ते हुए भी यदि उन्हें पता नहीं चला कि इस पार्टी में निर्णय कौन ले रहा है तब या तो वह झूठ बोल रहे हैं या फिर इस मामले में और ढलती उम्र में भोले बनने का असफल प्रयास कर रहे हैं। जिस रहस्य को कपिल सिब्बल दशकों में नहीं समझ पाए उसे नवजोत सिंह सिद्धू कांग्रेस में शामिल होते ही समझ गए थे। इसीलिए उन्होंने पहले दिन से ही राहुल और प्रियंका की शान में कसीदे पढ़ने शुरू कर दिए थे। अमरेंद्र सिंह और कपिल सिब्बल की दिक्कत यह रही है कि वह अपने राजनीतिक फायदे के लिए इतना नीचे तो नहीं गिर सकते थे कि सार्वजनिक रूप से राहुल और प्रियंका की जी हुजूरी में जुट जाएं। अमरेंद्र सिंह की एक और दिक्कत भी है। वह जानते हैं कि पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में राजनीतिक अस्थिरता देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है खासकर तब जब पाकिस्तान अस्थिरता की प्रतीक्षा में बैठा हो।

सिद्धू को लेकर ऐसी आशंका उन्होंने जताई भी थी। लेकिन कैप्टन शायद यही समझते रहे कि राहुल और प्रियंका को भी इसकी चिंता जरूर होगी इसीलिए यह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे पंजाब में राजनीतिक अराजकता पैदा हो जाए। सोनिया परिवार को समझने में कैप्टन यही ध ोखा खा गए पूर्णविराम यही कारण था कि उन्हें अपमानजनक तरीके से बाहर जाना पड़ा। राहुल और प्रियंका समझते रहे कि सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी की जोड़ी पंजाब के मतदाताओं को सोनिया परिवार की झोली में डाल देंगे। एक जाट चेहरा और दूसरा दलित चेहरा। दोनों का कंबीनेशन कांग्रेस को विजय माला डलवा सकता था। लेकिन इस सारी दौड़ धूप में से सिद्धू को क्या मिलेगा समझ में नहीं आया। यदि पंजाब में कांग्रेस जीत गई तो मुख्यमंत्री तो चन्नी ही बनेगा क्योंकि दलित चेहरे के नाम पर चुनाव जीतकर किसी जाट को मुख्यमंत्री बनाने का जोखिम तो कांग्रेश कतई नहीं उठा सकती थी और यदि कांग्रेस हार गई तब तो सिद्धू के मुख्यमंत्री बनने का प्रश्न अपने आप दफन हो जाएगा। अब ले देकर सिद्धू को यह संतोष दिलाया जा सकता है कि उनके चेले सपाटो को अच्छे पदों पर बिठा दिया जाए और नए मुख्यमंत्री की नकेल भी सिद्धू के हाथों में ही सौंप दी जाए। सिद्धू यहां भी धोखा खा गए। राजनीति में सभी के अपने अपने चेले सपाटे होते हैं। किसी दूसरे के चेलों को गले में लटका कर कोई नहीं चलता। जहां तक चन्नी की नकेल पकड़ने की बात है तो इसकी शुरू के कुछ दिनों में सिद्धू ने आभास देने की कोशिश भी की। लेकिन शायद सिद्धू चन्नी को भी अच्छी तरह पहचान नहीं पाए। चिन्ह को जानने वाले जानते हैं कि वह राजनीति की सीढ़ियां अपने बलबूते चढ़े हैं सिद्धू या रंधावा के बल पर नहीं। यह ठीक है कि अंतिम सीढ़ी इन दोनों की लड़ाई में वह चुपचाप चले गए। अब सिद्धू के पास इस्तीफा देने के सिवाय विकल्प ही क्या बचा। अब वह कांग्रेस में बैठकर ओटन लगे कपास का काम तो नहीं कर सकते थे।लेकिन ना तो सिद्धू ने और ना ही राहुल प्रियंका ने एक बार भी यह सोचा कि सीमावर्ती पंजाब में यह जो नए प्रयोग कर रहे हैं इससे शिवाय राजनीतिक अराजकता के और कुछ नहीं हासिल होने वाला। अलबत्ता पाकिस्तान इससे जरूर खुश होगा क्योंकि वह पिछले कुछ समय से फिर पंजाब में आतंकवाद को बढ़ाने के प्रयास कर रहा है जिसके रास्ते में अमरेंद्र सिंह बाधा थे। कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने अपने पिता को आतंकवादियों के हाथों खोया है तब उन्होंने ठीक ही कहा है कि इस सारे घटनाक्रम से कोई खुश है तो केवल पाकिस्तान। सोनिया परिवार के इस प्रयोग ने पंजाब कांग्रेस को टुकड़े–टुकड़े कर दिया है। लेकिन लगता है कि राहुल प्रियंका ने अपनी नई कांग्रेश के लिए यही रास्ता चुना है। यही कारण है कि पंजाब में सिंधु को स्थापित करने के बाद उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के टुकड़े टुकड़े गैंग के सरगना और भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार की अभिलाषा के नायक अफजल गुरु की सोच पर पहरा देने के लिए संकल्पित कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया के कन्हैया कुमार का पार्टी कार्यालय में अभिनंदन करते हुए उसे सोनिया परिवार में शामिल किया। आलम यह था कि यहां सभी के सामने कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है मैं इसे बचाने आया हूं। उसका पूरा भाषण यह संकेत दे रहा था कि कांग्रेस बहुत महान है लेकिन इसके वर्तमान नेतृत्व ने इस जहाज को जर्जर कर दिया है। लेकिन अब मैं इसे बचा लूंगा। इस संबंध में कांग्रेस के इतिहास का पुराना किस्सा याद आ रहा है जब कुमारमंगलम जाने–माने कम्युनिस्ट थे पूर्णविराम लेकिन जब कम्युनिस्टों को लगा कि अपने बलबूते भारत में उनका कोई भविष्य नहीं है तब उन्होंने रणनीति के तौर पर कांग्रेस पार्टी के भीतर चले जाने का निर्णय किया। इंदिरा गांध ी कम्युनिस्टों की इस साजिश को जानती थी परंतु कांग्रेस के भीतर के विरोधियों से लड़ने के लिए उन्हें वामपंथियों की जरूरत थी जो उनके चेहरे को प्रगतिवादी रंग में बदल सके। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय भी इसी रणनीति से उपजा था पूर्णविराम लेकिन यह इंदिरा गांधी की दूरदृष्टि कि उन्होंने वामपंथियों के लिए यूज एंड थ्रो की नीति का पालन किया। अब लगता है कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से निकली कम्युनिस्ट लादी अपने लाभ के लिए कांग्रेस पर ही कब्जा करना चाहती है।

(लेखक प्रख्यात स्तंभकार राजनैतिक विश्लेषक है)

1 किलो 800 ग्राम चरस गांजा के साथ 3 गिरफ्तार

बलरामपुर संवाददाता डॉक्टर संजय शुक्ला : उतरौला कोतवाली की पुलिस ने 18 सौ ग्राम चरस तथा गांजा के साथ तीन अभियुक्तों को धर दबोचा है। पुलिस अधीक्षक हेमंत कुटियाल के अनुसार उनके निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र वासियों उतरौला के पर्यवेक्षण में चलाया जा रहा अभियान लगातार सफल हो रहा है। प्रभारी निरीक्षक उतरौला कोतवाली पंकज कुमार सिंह ने संवाददाता को बताया कि उपनिरीक्षक राम शुभम दुबे हेड कांस्टेबल हरेंद्र यादव कांस्टेबल सुनील पांडे व विनीत कुमार की टीम ने मुखबिर की सूचना पर चावल बुजुर्ग गांव में छापा मारा। छापेमारी के दौरान रूप ही मल्हारी निवासी मोहम्मद इजहार उर्फ अहमद रजा के पास से 500 ग्राम चरस बरामद किया है। अभियुक्त के खिलाफ पहले से ही चोरी का मामला दर्ज है। अभियुक्त के पास से मां दुर्गा की प्रतिमा से चोरी रुपयों की माला भी बरामद की गई है। उपनिरीक्षक विपुल कुमार पांडे कांस्टेबल प्रदीप कुमार राहुल पटेल तथा सतीश कुमार की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दो अभियुक्तों को 1 किलो 300 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जनपद सिद्धार्थनगर के थाना भवानीगंज अंतर्गत ग्राम लटिया मुख्तार निवासी इंजमाम उल हक व कोतवाली देहात के नहर बालागंज निवासी सद्दाम को क्रमशाह साडे 600 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। सभी अभियुक्तों को संबंधित धाराओं में पंजीकृत करके जेल भेज दिया गया है।

उल्टी तथा दस्त से दादी और पोती की मौत

बलरामपुर संवाददाता डॉक्टर संजय शुक्ला : नगर से सटे ख महुआ गांव में सुबह ही एक ही घर में उल्टी–दस्त से दादी तथा पोते की मौत हो गई। गांव में एक ही घर से दो लोगों की मौत होने पर हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में डेरा डाले हुए हैं। ख महुआ गांव निवासी यूनिस का 12 वर्षीय बेटा आसिफ उल्टी दस्त के चलते दम तोड़ गया। थोड़ी देर बाद उसकी 60 वर्षीय दादी रघुला भी उल्टी दस्त का शिकार होकर मृत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले दोनों की तबीयत खराब हुई थी। दोनों का निजी चिकित्सक के यहां इलाज चल रहा था। गांव में ताबड़तोड़ हुई दो मौतों की सूचना पाते ही अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल चौधरी जिला मलेरिया अधिकारी डॉ राजेश पांडे जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी अरविंद मिश्र मौके पर पहुंचे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जो कहिया की टीम ने पहले से ही गांव स्थित मदरसे में कैंप लगाकर दवाएं बांटी हैं। अधीक्षक डॉ जावेद अख्तर ने बताया कि गांव के करीब 400 लोगों को दवाएं दी जा चुकी है। ग्रामीण दवाएं तो ले रहे हैं लेकिन बीमारी की सूचना देने से परहेज कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने बताया कि गांव के हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। जागरूकता की कमी के चलते सफाई के प्रति लापरवाह होने के साथ ही ग्रामीण बीमारियां भी छिपा रहे हैं जिससे ऐसी दर्दनाक घटनाएं हो रही हैं।

उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष ने मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन स्थल ग्रामसभा निजामुद्दीनपुर स्थित गोमती घाट का उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष बल्दीराय ने निरीक्षण किया। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शाकिर अब्बास,ग्राम प्रधान निजामुद्दीनपुर,आचार्य सूर्यभान पाण्डेय, महेश जायसवाल, मुकेश अग्रहरि खालिद महमूद,मोहम्मद नकी,चौकीदार सरदार व दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

महंत नरेंद्र गिरि केस में फिर मठ बाघंबरी गद्दी पहुंची सीबीआई, घंटों की जांच पड़ताल

प्रयागराज ब्यूरो : महंत नरेंद्र गिरि की मौत मामले की जांच में जुटी सीबीआई की टीम बृहस्पतिवार को फिर बाघंबरी मठ पहुंची। टीम ने शिष्यों व सेवादारों से पूछताछ की। साथ ही घटनास्थल व अन्य जगहों पर भी जाकर जांच पड़ताल में जुटी रही। सूत्रों का कहना है कि महंत के कुछ बेहद करीबी शिष्यों से पूछताछ के बाद सीबीआई ने पदाधि ाकारियों से भी बातचीत की। करीब दो घंटे की जांच पड़ताल के बाद टीम लौट गई। 25 सितंबर को मामले की जांच अपने हाथों में लेने के बाद से सीबीआई की टीम बृहस्पतिवार को छठवीं बार बाघंबरी मठ पहुंची। टीम ने महंत के करीबियों से पूछताछ के साथ ही यहां आने–जाने वालों के बारे में भी जानकारी जुटाई। साथ ही मठ व अखाड़े से संबंधित बाहरी लोगों का भी ब्यौरा एकत्र किया। गौरतलब है कि सीबीआई की ओर से मामले में तीनों आरोपियों के नारको टेस्ट की अर्जी कोर्ट में दी जा चुकी है। जिस पर 18 अक्तूबर को सुनवाई होनी है। खुलेंगे राज, कई चेहरे होंगे बेनकाब। नारको टेस्ट के लिए संबंधित व्यक्ति की मंजूरी जरूरी होती है। सूत्रों का कहना है कि नारको टेस्ट के लिए आरोपी मंजूरी देते हैं तो न सिर्फ महंत की मौत के राज का पर्दाफाश हो सकता है बल्कि

कई चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि महंत की मौत में कोई साजिश है तो इसमें शामिल हर चेहरा नारको टेस्ट में बेनकाब होगा। साथ ही सबसे बड़ी बात यह है कि मठ व मंदिर से जुड़ी कई अन्य बातें भी सामने आ सकती हैं।

भाजपा को वॉक ओवर देने के मूड में नहीं है सपा, पिछड़ा वर्ग का उम्मीदवार उतारने की तैयारी

लखनऊ ब्यूरो : विधानसभा उपाध्यक्ष के चुनाव में समाजवादी पार्टी दो–दो हाथ करने के मूड में है। वह भाजपा को किसी भी कीमत पर वॉक ओवर नहीं देना चाहती है। ऐसे में पिछड़ा वर्ग का उम्मीदवार उतारने की तैयारी है। फिलहाल अंतिम फैसला 16 अक्तूबर को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में होने वाली बैठक में लिया जाएगा। अभी तक की परिपाटी रही है कि विधानसभा उपाध्यक्ष विपक्ष का होगा। साढ़े चार साल तक उपाध्यक्ष पद खाली रहा। अब सदन का कार्यकाल खत्म होने से पहले उपाध्यक्ष चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। भाजपा ने सियासी चाल चलते हुए सपा के टिकट पर चुनाव लड़ कर सदन पहुंचे हरदोई विधायक नितिन अग्रवाल पर दांव लगाया है। विधायक नितिन अग्रवाल केपिता नरेश अग्रवाल भाजपा में जा चुके हैं। सपा ने विधायक नितिन अग्रवाल को अयोग्य ठहराने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे विध ानसभा अध्यक्ष खारिज कर चुके हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी विधानसभा उपाध्यक्ष के चुनाव में भाजपा का विरोध करने की तैयारी में है। पार्टी वैश्य के सामने पिछड़े वर्ग का उम्मीदवार उतार कर सियासी संदेश देने की तैयारी में है। इसके लिए सीतापुर के विध ायक नरेंद्र वर्मा सहित कई नाम पर विचार चल रहा है। नरेंद्र वर्मा कुर्मी बिरादरी के हैं। सपा इस वोटबैंक को अपने खेमे में करने के लिए लगातार प्रयास कर

रही है। पार्टी के 49 विधायक हैं। रणनीतिकारों का मानना है कि सदन कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले उपाध्यक्ष का चुनाव कराकर भाजपा वैश्य मतों पर अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। ऐसे में भाजपा का विरोध जरूरी है। दूसरी अहम बात यह है कि भाजपा नितिन अग्रवाल को सपा का बताकर मैदान में उतार रही है। जबकि वे सपा के बागी हैं। इस वजह से भी सपा वॉक ओवर देने के मूड में नहीं है। फिलहाल अभी इस मुद्दे पर खुलकर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

समस्त जनपदवासियों को दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

–गुरू प्रसाद श्रीवास्तव
पूर्व प्रधानाचार्य मुरैनी
दोस्तपुर,सुलतानपुर
फोन 9454639018

समस्त क्षेत्रवासियों को दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

–जगप्रसाद वर्मा
भाजपा महामंत्री,
पीपरगांव मंडल
सुलतानपुर
फोन नं
9651954049

समस्त क्षेत्रवासियों को दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

–मो० सरवर
पू र्व प्रधान चककारी
भीट बल्दीराय,
सुलतानपुर
फोन –9794656650

अडानी अंबानी के हाथों की कठपुतली बनी भाजपा सरकार : आसिफ खां

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने गुरूवार को शाहाबाद विध ानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव गांव नुक्कड़ सभाएं कर सपा सरकार में चलने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को बताया।विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पन्यौरा बल्लिया जनसभा को संबोधित करने पहुंचे पूर्व विधायक बब्बू काध जनसभा आयोजक पूर्व प्रधान अखिलेशध कुमार सहित सैकड़ों ग्राम वासियों द्वारा फूल मालाओं से लादकर स्वागत किया गया। एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बब्बू ने उपस्थिति जन समूह से आने वाले साल 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को वोट व सपोर्ट करने के लिए निवेदन किया। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई से आम जनता परेशान हो गई है, गरीब परिवार में तो एक टाइम का खाना बन रहा है तो वहीध इस प्रदेश का किसान चौकीदार बनकर रात रात भर जाग अपनों से दूरकर रहकर खेतों की चौकीदारी कर रहा है। आम जनता घर का खर्च चलाने में असमर्थ हो गई है। रोजमर्रा की मजदूरी करने वाले वर्ग से लेकर मध्यम वर्गीय परिवार बहुत परेशानियों से गुजर रहा हैं। लेकिन अडानी अंबानी के हाथों कीध कठपुतली बनी सरकार को किसानों गरीबों नौजवानों महिलाओं का दुख

दर्द दिखाई नहीं दे रहा। पाई पाई का हिसाब जनता आने वाले चुनावों में मयसूद लेगी।ध उन्होंने कहा जनता बदलाव चाहती है, आने वाले समय में यूपी में सपा सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री अखिलेश यादव होगे। पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि हम सभी क्षेत्रवासी एक दूसरे के सुख दुख के साथी है, हमे अपने बुजुर्गो के आशीर्वाद पर भरोसा है जिससे मेरा मान सम्मान सदैव बढ़ा है, नौजवानों ने सदैव कंधे से कंधा मिलाकर मेरा सहयोग दिया है। हम अपने क्षेत्रवासियों के सदैव कर्जदार ही रहेंगे, उनके द्वारा मिटिंग के आयोजक पूर्व प्रधान अखिलेश कुमार व उपस्थित ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर नन्हे त्रिवेदी टोडरपुर, सतीश सिंह प्रधान असगरपुर, आशुतोष यादव, आत्माराम उर्फ कल्लू पूर्व प्रधान, रामप्रकाश रैदास, मदन पाल, सतीश पाल, जय पाल, राम प्रकाश पाल, देशराज पाल, मंच का संचालन प्रभु यादव ग्राम सुंदरपुर उमरौली के द्वारा किया गया।

दोहरे कत्ल के पीछे कहीं प्रेम–प्रसंग का तो मामला नहीं, किसी शख्स से होती थी लंबी बातचीत

प्रयागराज ब्यूरो : औद्योगिक क्षेत्र में मां–बेटी की हत्या में भले ही पुलिस को चार नामजद पड़ोसियों की तलाश है। लेकिन मामले में प्रेम–प्रसंग व पारिवारिक रंजिश के एंगल पर भी जांच चल रही है। दरसअल जांच पड़ताल में जुटी पुलिस को इन बिंदुओं पर भी जानकारी मिली है। ऐसे में जांच में इसे भी शामिल कर लिया गया है। दोहरे हत्याकांड की जांच पड़ताल में जुटी पुलिस को बजरंग बहादुर पटेल के परिवार के भीतर के भी एक विवाद की जानकारी मिली है। पत चला है कि कुछ दिनों पहले परिवार का अपनी बहू से लेकर विवाद हुआ था। दरअसल बजरंग के बेटे के जहर खाकर जान देने के बाद उसकी बहू ने दूसरी शादी कर ली। जबकि उसकी छह वर्षीय बेटी अंशिका अपने दादा–दादी के साथ ही रहती थी। जांच में यह बात सामने आई है कि पांच–छह दिन पहले बहू अपनी बेटी को साथ ले जाने के लिए आई थी। लेकिन बजरंग व उसके परिवारवाले इस बात के लिए राजी नहीं हुए, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद भी हुआ। यह जानकारी मिलने के बाद पुलिस इस बिंदु पर भी जांच में जुटी है। इसके साथ ही यह भी पता चला है कि मृतका तनु की फोन पर किसी से बात होती थी। सीडीआर से पता चला है कि उसकी एक नंबर पर अक्सर लंबी बातें होती थीं। ऐसे में इसकी भी जांच की जा रही है। कुछ

घंटों पहले ही घर वापस आई थी प्रेमा। मामले में यह बात भी सामने आई है कि प्रेमा देवी घटना से कुछ घंटों पहले ही घर वापस आई थी। दरअसल उसके मायके पक्ष में किसी रिश्तेदार के घर कोई कार्यक्रम था जिसमें शामिल होने के लिए वह तीन दिन पहले गई थी। मंगलवार शाम ही वह वापस आई थी और कुछ घंटों बाद ही उसे मौत के घाट उतार दिया गया। सदमे में मासूम, परिजनों को याद कर बिलखती रही। उधर घटना की एक और प्रत्यक्षदर्शी मासूम अंशिका 48 घंटे बीतने के बाद भी सदमे में है। वह बार–बार परिजनों को याद कर बिलखती रही। पुलिस अफसरों ने बताया कि उससे बात करने की कोशिश की गई लेकिन फिलहाल वह बेहद डरी हुई है। ऐसे में उसका बयान दर्ज किया जाना संभव नहीं हो सका। हालत सामान्य होने पर उससे पूछताछ की जाएगी।

दशहरे मेले में उमड़ी भीड़, हुआ रावण पुतला का दहन

जौनपुर। शाहगंज पत्रकार धनंजय विश्वकर्मा : मल्हनी बाजार मे स्थित पक्का पोखरा के पास शुक्रवार शाम दशहरा के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया मेले में आऐ लोगों ने जमकर छोले, पकोड़े और गोलगप्पे का आनंद लिया। मेले में आए बच्चों ने जमकर मुंह से बजने वाली सिटी, रंग–बिरंगे गुब्बारे नन्हे–मुन्ने खिलौनों की खूब खरीदारी देर शाम तक चलता रहा मेला, मल्हनी बाजार के समीप जर्रो,भैसनी,बरैया काजी,मेढ़ामैर, अतरौरा, जेठपुरा गांव से सैकडो लोगो ने मेले का लुफ्त उठाया। मेले में जालौन जिले के नरेंद्र कुमार पाल ने गोलगप्पे की दुकान लगाई थी नरेंद्र बताया कि महामारी के चलते हम लोगों का गुजर–बसर बहुत ही कठिन हो गया था लेकिन अब पहले की तुलना अब बिक्री ठीक–ठाक हो जाती है। निर्मल आइसक्रीम नाम से सत्येंद्र ने मेले में आइसक्रीम का ठेला लगाया

था उन्होंने बताया कि महामारी के चलते हम लोगों का लाखों का नुकसान हो गया महामारी ने हम लोगों की रोजी–रोटी परिवार गुजर बसर को बुरी तरह प्रभावित किया था लेकिन पहले की अपेक्षा अब बिक्री ठीक–ठाक हो जाती है वहीं मेले में एक भव्य रावण मूर्ति भी बनाई गई थी जिसको शाम राम ने अपने हाथों से आग लगाकर भस्म कर दिया, आधार में रावण के अंत से लोगों को यह संदेश दिया गया कि असत्य चाहे कितना भी ताकतवर हो लेकिन सत्य कि हमेशा जीत होती है। बच्चों ने हनुमान रूप धारण किए व्यक्ति के साथ खूब फोटो और सेल्फी ली, भगवान हनुमान बच्चों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। बच्चों को भगवान हनुमान का रूप खूब लुभाया।मेले में बच्चे नौजवान दूर है, सभी उम्र के लोगों ने जमकर आनंद लिया मेले में बनी गुड़ की जलेबी का भी खूब आनंद लिया, और मेले में आए, किसानों ने लकड़ी से बने औजारों की भी खूब खरीदारी की।

झाड़ फूंक के चक्कर में चार साल के मासूम ने गंवाई जान, दो महिलाएं हिरासत में, तांत्रिक फरार

कुशीनगर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जरार गांव में गुरुवार की दोपहर बाद झाड़फूंक के दौरान चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस मौके से दो महिलाओं को हिरासत में लेकर थाने गई, जबकि एक तांत्रिक भागने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि जरार गांव निवासी ओमप्रकाश राजभर के चार वर्षीय मासूम नीतीश को बुखार और उल्टी की शिकायत थी। गुरुवार की सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसी दौरान गांव की एक महिला और बिहार के एक तांत्रिक दंपती झाड़फूंक कर बच्चे को ठीक कर देने का दावा करने लगे। घरवाले उन लोगों के झांसे में आ गए और झाड़फूंक शुरू हो गई। घरवालों का कहना है कि झाड़फूंक के दौरान बच्चे की तबीयत और अधिक बिगड़ गई और दिन के करीब दो बजे नीतीश की मौत हो गई। नीतीश की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मौके से दो महिलाओं को हिरासत में ले लिया, जबकि पुरुष तांत्रिक वहां से भागने में सफल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों का आरोप है कि झाड़फूंक के दौरान बच्चे की मौत हुई है। इस संबंध में एसआई रामचंद्र सिंह ने बताया कि बच्चा बीमार था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले में दो लोग हिरासत में हैं। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तुलनात्मक पोस्ट डालने से लोगों तक सरकार द्वारा किए गए कार्यों व विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम की जानकारी होगी:सौरभ मारोदिया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भाजपा की आईटी व सोशल मीडिया की नवनियुक्त टीम की संयुक्त कार्यशाला तिलकधारी सिंह महिला पी जी कालेज जौनपुर में जिला संयोजक शोशल मीडिया सिद्धार्थ राय के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश सह शोशल मीडिया सौरभ मारोदिया रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की गई, उसके उपरांत जिला संयोजक आई टी रोहन सिंह के नेतृत्व में आये हुये अतिथियों का जिला संयोजक सिद्धार्थ राय और सह संयोजको ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में आये हुये आईटी व सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आपकी अहम जिम्मेदारी है, आपको ही मोदी सरकार और योगी सरकार की उपलब्धियों एवं उनके द्वारा किए कार्यों को जन–जन तक पहुंचाना है। पार्टी में सबसे अहम सोशल मीडिया व आईटी की जिम्मेदारी आप कार्यकर्ताओं को इसलिए दी गई है कि अपनी बात सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत करें, पूर्व में एवं आज की परिस्थितियों के तुलनात्मक पोस्ट डालने से लोगों तक पार्टी द्वारा किए गए कार्यों व विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम की जानकारी होगी। उन्होंने आगे कहा कि सर्वप्रथम सभी विधानसभा क्षेत्र के संयोजकों की जिम्मेदारी है कि वह अपनी–अपनी विधानसभा में बूथ स्तर तक आईटी व सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं को जोड़ें। यदि शीर्ष नेतृत्व द्वारा कोई विषय जिले को प्राप्त होता है और वह हम यहां से प्रसारित करते हैं तो एक घंटे के भीतर हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक पहुंचे, हमें ऐसा सोशल मीडिया का चौनल तैयार करना है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक आदि हजारों मुद्दे हमारे पास हैं जिसके आधार पर हम अपनी बात लोगों के सामने रख सकते हैं। सोशल मीडिया पर तमाम अफवाहे फैलाई जाती है उसका सकारात्मक जबाब देः सुशील मिश्रा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए आपको छोटी–छोटी चीजों पर घेरा जाता है, लेकिन जरूरी है कि आप भी उसके जरिए प्रभावी जवाब दें, छोटे–छोटे पोस्ट कभी–कभी काफी प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर तमाम

अफवाहें फैलाई जाती है, इसके लिए जरूरी है कि उससे जुड़ी सकारात्मक चीजें उसी प्लेटफार्म पर तत्काल रिप्लाई करें, कोई जिला ऐसा नहीं है, जो यह कह सके कि वहां विकास नहीं हुआ है इसे सोशल मीडिया पर प्रचारित करने की जरूरत है। आवास से लेकर शौचालय हो या फिर बेहतर चिकित्सा सुविधा सरकार की ओर से आम जनमानस के लिए की जाने वाली हर एक गतिविधियों को सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। योजनाओं की जानकारी देंः पुण्डरीक मिश्रा। क्षेत्र सह संयोजक सोशल मीडिया पुण्डरीक मिश्रा ने कहा कि युवाओं के लिए तमाम योजनाएं चल रही है। बालिकाओं के पढ़ाई से लेकर उनके कन्यादान तक की योजनाएं सरकार की ओर से चलाई जा रही है। 1.81 करोड़ स्कूली बच्चों को स्कूल ड्रेस आदि वितरण किया जा रहा चुका है। अंत्योदय योजना के जरिए 10 लाख से अधिक बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों को फ्री कोचिंग दी जा रही है, इसकी जानकारी आप सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर देकर मोदी और योगी सरकार के कार्यो का प्रचार करें ताकि जनता सरकार के कार्यो को बेहतर ढंग से समझ सके।विपक्ष की बातों का जवाब जरूरीः अतुल पाण्डेय। क्षेत्र सह संयोजक अतुल पाण्डेय ने कहा कि 10 लाख दिव्यांगों को पेंशन मिल रहा है। 29 लाख महिलाओं को पेंशन दिया जा है, इन सभी लोगों के साथ संवाद स्थापित करने की जरूरत है, तमाम ऐसी योजनाएं हैं, जिससे लोगों को रोजगार मिला है, ऐसे में जरूरी है कि इन सभी चीजों को संवाद के जरिए विपक्ष की बातों का जवाब दे सकें, विपक्ष के सभी मुद्दों पर हमें अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करनी है। क्षेत्रीय प्रभारी नमो एप्प अखिलेश्वर मिश्रा ने आये हुये आईटी एवं सोशल मीडिया के योद्धाओं को नमो एप्प के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन जिला सह सोशल मीडिया हर्ष मोदनवाल ने की। उक्त अवसर पर जिला सह संयोजक अवनीश यादव, विधानसभा संयोजक गण दिवस शुक्ला, सुजीत श्रीवास्तव, अमूल्य श्रीवास्तव, सत्यम मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, बटेश्वर सिंह, उमेश तिवारी, आशुतोष तिवारी, आशीष तिवारी, आलोक मिश्रा एवं आई टी और सोशल मीडिया के मण्डल संयोजक एवं सह संयोजक उपस्थित रहें।

अवैध तमन्चा मय कारतूस 315 बोर के साथ एक अभियुक्त को थाना मछलीशहर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के कुशल दिशा निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में थाना मछलीशहर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त चन्द्रप्रकाश यादव उर्फ कप्तान पुत्र उमाशंकर यादव निवासी रामपुर कला थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर को दिनांक 14.10.2021 की शाम परसूपुर तिराहे के पास एक अवैध तमन्चा 315 बोर व जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्त चन्द्रप्रकाश यादव उपरोक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 252/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रहा है । नाम पता अभियुक्त – 1. चन्द्रप्रकाश यादव उर्फ कप्तान पुत्र उमाशंकर यादव नि.रामपुर कला थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर उम्र 29 वर्ष अभियुक्त का आपराधिक इतिहास – 1.मु.अ.सं. 194/21

धारा 147/504/506 भा.द.वि.थाना मछलीशहर,जौनपुर 2.मु.अ.सं. 252/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मछलीशहर,जौनपुर। गिरफ्तारी करने वाली टीम– 1. उ0नि0 श्री चन्दन कुमार थाना मछलीशहर । 2. उ.नि.श्री संजय कुमार सिंह थाना मछलीशहर,जौनपुर । 3. कां0 संदीप तिवारी, थाना मछलीशहर जौनपुर । 4. कां0 संदीप कुमार, थाना मछलीशहर जौनपुर।

थाना चन्दवक पुलिस ने बलात्कार /पाक्सो एक्ट के मुकदमें में वांछित तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण व गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर डा0 श्री संजय कुमार के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत श्री शुभम तोदी के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में चन्दवक पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 230/21 धारा 376D/452/506 भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट व 3(2)(अ) व 3(2)5। व 3(1) (ब) SC/ST Act से सम्बन्धित वॉछित अभियुक्तगण 1– सेराज उर्फ लल्ला पुत्र शमशाद 2– कासीम उर्फ गोरख पुत्र आशिक अली 3– नसीम उर्फ छोटू पुत्र जलालु निवासीगण बीरीबारी थाना चन्दवक जनपद जौनपुर को गोमती नदी पुल चन्दवक से आज दिनांक 15.10.2021 को सुबह में गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त। 1– सेराज उर्फ लल्ला पुत्र शमशाद निवासी बीरीबारी थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 2– कासीम उर्फ गोरख पुत्र आशिक अली निवासी बीरीबारी थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 3– नसीम उर्फ छोटू पुत्र जलालु निवासी बीरीबारी थाना चन्दवक जनपद जौनपुर गिरफ्तार करने

वाली पुलिस टीम के सदस्य– 1– एसओ श्री संजय कुमार सिंह थानाध्यक्ष थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 2– उ0नि0 श्री त्रिवेणी सिंह प्रभारी चौकी पतरही थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 3– हे0का0 विजय कुमार दुबे थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 4– हे0का0 सुमन्त सिंह थाना चन्दवक, जनपद–जौनपुर 5– हे0का0 संजय सिंह थाना चन्दवक जनपद जौनपुर 6– का0 जयप्रकाश यादव थाना चन्दवक जनपद जौनपुर।

भाजपा महिला मोर्चा की मण्डल कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भाजपा महिला मोर्चा मंडल कार्यसमिति नौपेडवा, मुंगराबादशाहपुर, सुजानगंज बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रागिनी सिंह ने की।

उन्होंने मंडल में आये हुये महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार एवं विधानसभा चुनाव को लेकर सभी लोगों को एकजुट होकर निस्वार्थ भाव से संगठन में कार्य करना होगा, उन्होंने आगे कहा कि देश और प्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सत्ता में बढ़ी है, राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भी काफी काम किया है। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष राखी सिंह, महामंत्री विमला श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी निकिता मौर्या, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा प्रमिला सिंह महामंत्री नीतू सिंह और मंडल पदाधिकारी व कार्य समिति के लोग उपस्थित थे।

माँ दक्षिणा काली मन्दिर में नवमी के दिन कोरोना वायरस से मुक्ति के लिए हुआ हवन पूजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नगर के सिटी स्टेशन रेलवे क्रासिंग के निकट स्थित मॉ आद्या शक्ति दक्षिणा काली मन्दिर पर चौत्र नवरात्र के नवमी के दिन बुधवार को पूजारी भगवती सिंह वागीश ने देश मे कोरोना वाइरस से मुक्ति के लिए हवन–पूजन कर प्रार्थना किया। इस मौके पर मन्दिर के प्रबन्धक/ पुजारी भगवती सिंह वागीश ने बताया कि

काली ही कोरोना का संघारक हैं और 'ऊं क्रीं क्रीं कालिकाएं नमः' मंत्र का जाप करने से सभी बीमारियां दूर हो जाती है ,हवन से आस–पास का वातावरण शुद्व हो जाता है और प्राणियों में सर्वधन का संचार हो जाता है। घंटा व शंख की ध्वनी से वातावरण अत्यन्त आनन्दमय हो जाता है।।अतः कलयुग में काली उपासना परम शक्ति वर्धक एवं मंगलकारी है। पूर्ण श्रद्धा एवं अटल विश्वास के साथ मां की उपासना सदैव कल्याणकारी होता है। कलयुग में मां दक्षिणा काली की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। इस अवसर पर सपा नेताअजय त्रिपाठी,वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, प्रधानाचार्य बाबा सिंह, मिथिलेश सिंह गुड्डू, दलसिंगर विश्कर्मा, रामपाल विश्वकर्मा, प्रधानाचार्य बाबा सिंह, पीयूष श्रीवास्तव, लकी अग्रहरी, तुषार शुक्ला,सर्वेश सिंह सोनू,भानु मौर्य, मनीष सोनकर, व बंदेश सिंह उपस्थित रहे।

अवैध कब्जों से जूझ रहा एलडीए मिट्टी चोरों से भी परेशान

लखनऊ ब्यूरो : अवैध कब्जों और निर्माणों से परेशान एलडीए के लिए मिट्टी चोर भी चुनौती बन गए हैं। सीजी सिटी योजना में पुलिस की जानकारी के बावजूद लगातार मिट्टी की चोरी हो रही है। एलडीए सचिव पवन गंगवार ने अब डीसीपी दक्षिणी को पत्र भेजकर पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठाया है। सचिव का कहना है कि 2018 से लगातार इसे रोकने के लिए पत्र भेजा जा रहा है। इसके बाद भी पुलिस सख्ती नहीं कर रही है। एलडीए सुल्तानपुर रोड पर सीजी सिटी योजना का विकास उत्तरी और दक्षिणी भाग के रूप में कर रहा है। शासन की इस महत्वपूर्ण परियोजना में दक्षिणी भाग में अमूल व पराग डेयरी के पीछे की तरफ से मिट्टी की चोरी की जा रही है। 30 सितंबर को भी तड़के सुबह मिट्टी खोदकर ले जाने पर डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। सुबह 3:27 बजे से लेकर 4:03 बजे तक पुलिस के अलग–अलग प्रतिनिधि को बताया गया। इसके बाद भी संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। जबकि, एचसीएल पुलिस चौकी यहां से केवल 200 मीटर की दूरी पर है। सचिव के मुताबिक पूर्व में भी थाना गोसाईगंज और एचसीएल पुलिस चौकी को पत्र भेजकर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। यह पत्र शिकायतों के लिए 20 जून 2018, 11 अक्तूबर 2019, 19 फरवरी 2019, 22 जुलाई 2021 को भेजे गए। इसके बाद भी मिट्टी की चोरी लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक ट्रांसगोमती को भी एलडीए की तरफ से आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया है।

दृष्टिबाधा के 80 प्रतिशत मामलों की वजह लापरवाही, केजीएमयू में विश्व दृष्टि दिवस पर गोष्ठी

लखनऊ ब्यूरो : विश्व में इस समय 285 मिलियन लोग आंख की कम रोशनी से पीड़ित हैं। इनमें से 39 मिलियन लोग दृष्टिबाधित हैं। इन 39 मिलियन लोगों में 90 फीसदी लोग भारत और अन्य कम आय वाले देशों में निवास करते हैं। दृष्टिबाधा के 80 फीसदी मामलों की वजह लापरवाही है, जबकि इनका इलाज संभव है। केजीएमयू के ऑप्थलमोलॉजी

विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अपजित कौर ने यह जानकारी दी। वह विश्व दृष्टि दिवस पर विभाग की ओपीडी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहीं थीं। इस मौके पर कुलपति डॉ. बिपिन पुरी ने कहा कि आंखों का समय पर इलाज जरूरी है। इससे बीमारी को रोका जा सकता है। केजीएमयू में आंखों की ज्यादातर बीमारियों का इलाज संभव है। इसके साथ ही नेत्रदान कर दूसरों की जिंदगी रोशन की जा सकती है। केजीएमयू में कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा है। नेत्र रोग विभाग के डॉ. सिद्धार्थ ने कहा कि कोरोना काल में मोबाइल और कंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ा है। इसका असर आंखों की सेहत पर पड़ा है। बच्चों से लेकर अधिक उम्र के लोगों में आंखों से जुड़ी समस्या देखने को मिली है। सावधानी बरतकर आंखों की समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से बचें।

संविदा कर्मियों के मानदेय से होगी ईपीएफ की पूरी कटौती

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में मनरेगा के ग्राम रोजगार सेवकों सहित अन्य संविदा कर्मियों के ईपीएफ की पूरी कटौती कर्मचारियों के मानदेय से की जाएगी। वहीं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों ने दूसरी ओर उनके मानदेय में कटौती का रास्ता निकाल दिया है। मुख्यमंत्री ने ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय 6780 से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने की घोषणा की थी। लेकिन नियोक्ता के पीएफ की वसूली भी कर्मचारियों से ही करने के कारण अब ग्राम रोजगार सेवकों को मात्र 7000 रुपये ही मानदेय मिलेगा। प्रदेश सरकार ने मनरेगा कर्मचारी सम्मेलन में 4 अक्तूबर को ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय 6,780 से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने, तकनीकी सहायकों का मानदेय 12,656 से बढ़ाकर 15,656 रुपये, कम्प्यूटर सहायकों का मानदेय 12,656 से बढ़ाकर 15,156 रुपये, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों का मानदेय 31,640 रुपये से बढ़ाकर 34,140 रुपये, लेखा सहायकों का मानदेय 12,656 से बढ़ाकर 15,156 रुपये करने, ऑपरेशन सहायकों का मानदेय 15,830 से बढ़ाकर 18,320 रुपये करने, हेल्पलाइन एक्जीक्यूटिव का मानदेय 15,820 से बढ़ाकर 18,320 रुपये करने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का मानदेय 7,910 से बढ़ाकर 9 हजार रुपये करने, ब्लॉक सोशल को–आर्डिनेटर का मानदेय 11,600 से बढ़ाकर 14,100 रुपये और जिला सोशल ऑडिट को–आर्डिनेटर का मानदेय 17,400 से बढ़ाकर 19,900 रुपये करने करने की घोषणा की है। अब तक की व्यवस्था में कर्मचारियों के वेतन के सापेक्ष 25 प्रतिशत पीफ जमा किया

जाता था। इसमें से 12 प्रतिशत कर्मचारी के वेतन से और 13 प्रतिशत नियोक्ता की ओर से जमा किया जाता था। उदाहरण के लिए ग्राम रोजगार सेवक को मिलने वाले 6000 रुपये मानदेय में से 12 प्रतिशत कटौती करने से उन्हें 5280 रुपये नकद मानदेय मिलता था। लेकिन सरकार की ओर से पीएफ में 13 प्रतिशत अंशदान देने से कुल मानदेय 6780 रुपये होता था। अब ग्राम्य विभाग ने ईपीएफ की पूरी कटौती दस हजार रुपये में से ही करने का आदेश जारी किया है। इसके चलते अब ग्राम रोजगार सेवकों को मानदेय मात्र 7500 रुपये मिलेगा। ग्राम रोजगार सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेश सिंह ने सरकार के इस निर्णय से नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि सरकार भी निजी कंपनी की तरह ईपीएफ की पूरी कटौती कर्मचारियों से कर ही है जो कि नियम विरुद्ध है। उनकी मांग है कि कर्मचारी को घोषित पूरा मानदेय दिया जाए और नियोक्ता के ईपीएफ शेयर का भुगतान सरकार अलग से करे। अपर मुख्य सचिव ग्राम विकास मनोज कुमार सिंह ने कहा कि ग्राम रोजगार सेवक सहित किसी मानदेय कर्मी को कोई नुकसान नहीं है। ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय 3 हजार रुपये से अधिक बढ़ा है।

तिलकोत्सव में संतों ने सीएम योगी को लगाया टीका, गोरक्षपीठाधीश्वर ने दिया श्रद्धालुओं को आशीर्वाद

गोरखपुर ब्यूरो : विजयदशमी पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजनों का सिलसिला शुक्रवार सुबह से ही शुरू हो गया। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ को संतों ने टीका लगाया। तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह से ही कतार लगी थी। मुख्यमंत्री मंदिर के तिलक हाल में आसन लगाकर बैठे थे। कतारबद्ध लोग बारी–बारी आकर उन्हें तिलक लगा रहे थे। मुख्यमंत्री भी तिलक लगाकर लोगों को आशीर्वाद दे रहे थे। तिलकोत्सव का यह सिलसिला करीब एक घंटे तक चलता रहा। गोरखनाथ मंदिर के तिलक हाल में पारंपरिक तिलकोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन–कीर्तन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान पीठ से जुड़े योगी, महंत, पुजारी, पुरोहितों ने मंगल पाठ के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर से आशीर्वाद लिया। उसके बाद गृहस्थ शिष्यों ने तिलक कर आशीर्वाद ग्रहण किया। तिलकोत्सव का यह कार्यक्रम एक घंटे तक चला। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के चेयरमैन चौधरी कैफुलवरा हर साल की तरह इस बार भी गोरक्षपीठाधीश्वर की विजयादशमी शोभायात्रा का स्वागत किए। उन्होंने

कहा कि समाज के लोगों में काफी उत्साह है। इसके पहले सुबह नौ बजे के करीब विजयदशमी की परंपरागत पूजा–अर्चना शुरू हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर से नाथ पंथ के विशेष पारंपरिक परिधान में निकले। गुरु गोरक्षनाथ और मंदिर में स्थापित सभी देवी–देवताओं की पूजा की। पूजा–अनुष्ठान के बाद हमेशा की तरह सीएम योगी आदित्यनाथ गोशाला पहुंचे जहां गो सेवा कर गाय का पूजन किए और उन्हें गुड़ व चना खिलाकर दुलार किया। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी ने पारण किया।

आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला अस्पताल की संविदा कर्मचारी ने की खुदकुशी, शव के पास बिलखता मिला मासूम

गोरखपुर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के कोतवाली इलाके के बक्शीपुर में किराए के कमरे में रहने वाली महिला अस्पताल की संविदा कर्मचारी सहाना (30) का शव शुक्रवार को फंदे से लटका मिला। बताया जा रहा है कि वह आर्थिक तंगी की वजह से अवसाद में आ गई थी। पिछले करीब 7 महीने से संविदा कर्मचारियों का वेतन नहीं मिला है, जिससे वह परेशान थी और दो दिन पहले डीएम से मिलकर खुद की आर्थिक कमजोरी के लिए गुहार भी लगाई थी। सहाना की मौत की खबर सुनते ही साथी संविदा कर्मचारियों ने महिला अस्पताल का कामकाज ठप कर हड़ताल शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट ने समझा–बुझाकर उनका वेतन जल्द से जल्द दिलाने का आश्वासन देकर काम शुरू कराया है। जानकारी के मुताबिक, सहाना पिछले कुछ सालों से महिला अस्पताल में ड्यूटी कर रही थी। उसका और उसके साथियों का पिछले 7 महीने से वेतन नहीं मिल रहा है और इसी बीच उपस्थिति रजिस्टर को भी हटा दिया गया था। अस्पताल प्रशासन के इस काम से सभी कर्मचारी नाराज थे और दो दिन पहले डीएम से मिलकर उसने खुद की जान देने तक की बात कह डाली थी। डीएम ने उसे गंभीरता से लेते हुए जल्द आश्वासन दिया था, लेकिन इसी बीच सहाना ने खुदकुशी करने का फैसला कर लिया और शुक्रवार को उसका शव फंदे से लटका मिला। वहीं शव के बगल में उसका आठ महीने का बच्चा बिलख रहा था। शुक्रवार की सुबह मकान मालिक ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि खुदकुशी की वजह साफ नहीं है, कुछ निजी कारण हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने वेतन बकाया का भुगतान का आश्वासन भी दिया है।

"तेरे दरबार में मैया खुशी मिलती है" गीत से गुज रहा पंडाल व मंदिर

जौनपुर।शाहगंज पत्रकार धनंजय विश्वकर्मा : नवरात्रि के नवमी को मां सिद्धिदात्री के पूजन किया गया, शाम होते ही पंडालों में घंटियां और देवी गीत गुजने लगे, पंडाल में सजी दीप व बत्तियां ने क्षेत्रों को जगमग कर दिया नवरात्र के अंतिम दिन मां देवी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी,श्रद्धालुओं ने मां देवी के नवा रूप सिद्धिदात्री का पूजा अर्चन किया।सैकडो दर्शनार्थियों ने एक साथ मिलकर पूजा अर्चन की, पंडालों में पूरा दिन गुंजता रहा देवी मां का जयकारा, बाल दुर्गा पूजा समिति द्वारा हिंदी बघेला मे भव्य पंडाल सजाया गया, रोज शाम होते ही श्रद्धालु पहुंच कर धूमधाम से देवी आरती और गीत गाकर मां को प्रसन्न कर रहे। नवरात्र के अंतिम दिन पंडाल में कन्या भोज कराया गया। श्रद्धालु फल फूल चढ़ाकर मां को देवी भोग लगा रहे, पंडाल की देखरेख कैलाश यादव और नीतिन द्वारा किया जा रहा,नीतिन ने बताया कि महामारी के चलते पिछले वर्ष त्योहारों का आयोजन नहीं हो पाया चारों तरफ सन्नाटा पसरा था।लेकिन मां देवी की कृपा से अब सब कुछ सामान्य होता दिख रहा मां देवी की कृपा से इस बार त्योहारों में फिर से रौनक आ गई।नवरात्र के अंतिम दिन भी मां देवी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लाईनें लगी रही। केशव दुर्गा पूजा समिति ने मनवल गांव में भव्य पंडाल लगाया गया है। नवरात्र की अवसर पर प्रतिदिन भजन कीर्तन कर श्रद्धालुओं भक्ति भाव में लीन है। शाम होते ही गांव की महिलाएं अपना काम खत्म कर माता के दरबार में पहुंच कर जय कारा के साथ पूजा अर्चन करती हैं ।केशव दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष केशव विश्वकर्मा ने कहां की मां देवी की कृपा से जीवन सुख में बीत रहा है अगर मन शुद्ध होने पर ही ईश्वर वास करता है। मां देवी के दरबार से कोई भी खाली नहीं जाता मन से मांगी गई मन्नत देवी मां जरूर है।

डॉ. आस्था अग्रवाल को पहले पीटा, फिर गला घोंटकर उतारा मौत के घाट

अलीगढ़ ब्यूरो : कोरोना काल में ऑक्सीजन प्लांट को लेकर सुर्खियों में रहीं स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर तैनात मेडिकल ऑफिसर डॉ. आस्था अग्रवाल (33) को पहले पीटा गया। फिर गला दबाकर मौत के घाट उतारा गया। इसके बाद उनका शव घटना को आत्महत्या दर्शाने के लिए फंदे पर लटकाया गया था। बृहस्पतिवार को चार डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में उनकी मौत का कारण गला दबाकर (स्ट्रांगुलेशन) हत्या करना आया है। इधर, इस घटना में आस्था की बहन की तहरीर पर पति अरुण अग्रवाल के अलावा देवर, जेठ व एक दोस्त को नामजद कर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पति की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। मायके पक्ष ने शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार करना तय किया है। स्वास्थ्य विभाग के इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम में तैनात डॉ. आस्था अपने पति अरुण अग्रवाल संग क्वार्सी क्षेत्र की रमेश विहार कॉलोनी में रहती थीं। दंपती पर 10 वर्षीय बेटा अर्नव व 8 वर्षीय आन्या है। पति अरुण कासिमपुर में राधिका ऑक्सीजन प्लांट चलाता है। पुलिस के अनुसार मंगलवार देर रात से आस्था का अपने मायके पक्ष के लोगों या अन्य किसी से संपर्क नहीं हो पा रहा था। उनका पति भी बच्चों को सिविल लाइंस श्याम नगर में अपने बड़े भाई के घर छोड़कर गायब है। बुधवार शाम को आस्था की आगरा में रहने वाली बहन आकांक्षा ने काफी प्रयास के बाद बहन से संपर्क न होने पर आस्था के ड्राइवर मनीष चौधरी को आस्था के घर भेजा। तब पता चला कि बाहर ताला लटका है और अंदर बेडरूम में आस्था का शव फंदे पर झूल रहा है। इस खबर पर पहुंची पुलिस ने ताला तोड़कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। उसी समय आकांक्षा ने हत्या का आरोप मढ़ा था। देर रात यहां पहुंचकर आकांक्षा ने अपने बहनोई अरुण अग्रवाल के अलावा अरुण के छोटे भाई अनुज व बड़े भाई तरुण अग्रवाल के अलावा पड़ोस में ही रहने वाले दोस्त अर्पित अग्रवाल को नामजद कर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। इधर, बृहस्पतिवार को चार डॉक्टरों के पैनल क्रमशः डॉ. विशाका माधवी, डॉ.

नीरज, डॉ. अनिल व डॉ. हारुन के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में आस्था के शव का पोस्टमार्टम किया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम में साफ आया है कि आस्था को गला दबाकर मारा गया। उसके साथ इससे पहले मारपीट हुई है, जिससे उसके पैरों पर नीले निशान व चेहरे, गर्दन आदि पर भी मारपीट की खरोंच के निशान हैं। पैनल की रिपोर्ट मिलने के बाद यह प्रकरण साफ तौर से हत्या का हो गया है। माना जा रहा है कि हत्या के बाद शव फंदे पर लटकाकर बाहर से ताला लगाकर पति बच्चों को लेकर गायब हुआ है। देर शाम शव आस्था के छोटे भाई अभिनव को सौंप दिया था। शव को परिवार आस्था के रमेश विहार स्थित घर ले गए। जहां अमेरिका से आ रहे आस्था के बड़े भाई अमित का इंतजार है। उनके आने पर शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा। डॉक्टर की मौत के मामले में पोस्टमार्टम में हत्या होना साफ हो गया है। परिवार की ओर से नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस टीमें मुख्य रूप से आरोपी पति को तलाश रही हैं। बाकी सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जांच व गिरफ्तारी के साथ हत्या की वजह भी साफ हो जाएगी।

– कलानिधि नैथानी, एसएसपी

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर होंगे रामायण पाठ, भजन, कीर्तन

अलीगढ़ ब्यूरो : आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आगामी 20 अक्तूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती को भव्य रूप में मनाया जाएगा। जिसमें वाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों से जनमानस को जोड़ने के लिए आयोजन होंगे। महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों, मंदिरों आदि पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ–साथ अनवरत रामायण का पाठ भी कराया जाएगा। डीएम सेल्वा कुमारी जे ने कहा है कि कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीराम व श्रीहनुमान तथा रामायण से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों एवं मंदिरों का चयन किया जाएगा। वहां सुरुचिपूर्ण आयोजन के साथ रामायण पाठ एवं भजन आदि के कार्यक्रम किए जाएंगे। इसके लिए श्रीराम मंदिर, श्रीहनुमान मंदिर अथवा रामायण से संबंधित मंदिर का पूरा पता, फोटो, जीपीएस लोकेशन तथा मंदिर प्रबंधक का संपर्क नंबर लिया जाएगा। इन मंदिरों में 8, 12 एवं 24 घंटे अनवरत रामायण पाठ कराएं जाएंगे। मंदिरों एवं स्थलों पर कलाकारों, भजन गायकों की उपलब्धता की जाएगी। इसके लिए नामित नोडल अधिकारी बनेंगे। डीएम ने कहा कि इन आयोजनों के लिए जनपद स्तरीय, तहसील स्तरीय एवं विकास खंड स्तरीय समिति बनाई जाए। जिससे कार्यक्रम प्रभावी हों। आयोजन स्थल पर कोविड–19 के शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। इसके लिए संबंधित नोडल अधिकारी, मंदिर प्रबंधक तथा कलाकारों को भी सुस्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। प्रत्येक आयोजन स्थल पर साफ–सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश, दरी, बिछावन एवं सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाए। आयोजन के लिए सक्षम स्तर से अनुमति ली जाए। अनवरत वाल्मीकि रामायण पाठ के लिए वाल्मीकि रामायण ग्रंथ की उपलब्धता की जाए। गायक कलाकारों एवं भजन मंडलियों को पूर्व में ही अवगत कराया जाए। सीडीओ ने कहा कि आयोजन की पूर्व संध्या 19 अक्तूबर को तैयारियों की फोटो संस्कृति विभाग की ईमेल पर भेजी जाएं। आयोजन से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए संस्कृति विभाग के नोडल अधिकारी प्रभाकर जौहरी, संयुक्त निदेशालय, उत्तर प्रदेश के व्हाट्सएप नंबर 9452986601 पर संपर्क कर सकते हैं। 20 अक्तूबर को उद्घाटन सहित संपूर्ण कार्यक्रम की कम से कम 10 फोटो मोबाइल से भी खींचकर ईमेल पर पोस्ट की जाए। फोटो प्रेषित करते समय स्थल का नाम, पता तथा जिले का नाम अवश्य लिखा जाए।

नुमाइश मैदान में 27 अक्तूबर से सजेगा आतिशबाजी बाजार

अलीगढ़ ब्यूरो : हर साल दीपावली के अवसर पर नुमाइश मैदान में सजने वाला आतिशबाजी बाजार 27 अक्तूबर से सजेगा। छह नवंबर तक सजने वाले बाजार में अस्थायी दुकानें लेने के इच्छुक दुकानदार पुलिस वेरिफिकेशन समेत अन्य प्रक्रियाएं पूर्ण कराने में जुटे हैं। हालांकि नुमाइश के विभिन्न बाजारों के किराये में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। इस सबके बावजूद बरसाती सीजन में हुए गड्ढे व गंदगी के अंबार दुकानदारों व ग्राहकों के सब्र का कड़ा इम्तिहान लेने के लिए तैयार हैं। हर साल नुमाइश मैदान में आतिशबाजी बाजार सजता है। इसके लिए यहां कुल 515 दुकानें हैं, लेकिन बाजार आमतौर पर 215 दुकानों में ही लगता है। 27 अक्तूबर से सजने वाले इस बाजार के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। आतिशबाजी व्यवसायी दुकान सजाने के लिए मिलने वाले अस्थायी लाइसेंस के लिए पुलिस वेरिफिकेशन, फायर ब्रिगेड की एनओसी समेत अन्य औपचारिकताएं पूर्ण करने में जुट गए हैं। सिटी मजिस्ट्रेट प्रदीप वर्मा ने बताया कि इस साल नुमाइश के विभिन्न बाजारों की दुकानों की किरायादरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सभी दरें पिछले साल की तरह यथावत रखी गई हैं। अब तक अस्थायी लाइसेंस के लिए एक भी आवेदन नहीं आया है। बताते चलें कि पिछले साल फुव्वारा बाजार में दुकान के रेट 12 हजार और जीएसटी, हुल्लड़ बाजार में 10 हजार और जीएसटी, कृषि, कंबल व सुरमा बाजार की दुकानों का किराया चार हजार और जीएसटी था। गड्ढे व गंदगी लेंगे दुकानदार व ग्राहकों के सब्र का कड़ा इम्तिहान। इस सीजन में हुई बरसात व जलभराव से नुमाइश मैदान में मुख्य मार्ग एवं बाजारों में गड्ढे व गंदगी का आलम है। यदि इन्हें समय रहते दुरुस्त नहीं कराया गया तो यह गड्ढे व गंदगी आतिशबाजी बाजार में आने वाले ग्राहक व दुकानदारों के सब्र का कड़ा इम्तिहान लेंगे। दुर्घटनाओं का भी खतरा है।

लेनदेन के विवाद में दर्जी की चाकू से गोदकर हत्या

अलीगढ़ ब्यूरो : रोरावर क्षेत्र के नीवरी इलाके में बृहस्पतिवार देर रात दर्जी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हत्या के मूल में लेनदेन का विवाद सामने आ रहा है। घटना के दौरान हमलावरों से बचने के लिए दर्जी दुकान से भागा और नाले में जा गिरा।मगर, तब तक हमलावरों ने उसे कई वार कर जख्मी कर दिया। आनन–फानन

घायल दर्जी को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। खबर पर एसपी सिटी, सीओ प्रथम आदि मौके पर पहुंच गए। जांच शुरू कर दी गई है। मूल रूप से गोंडा के नगला दरबर का 32 वर्षीय निजाम पुत्र बन्ने खां नीवरी में रहकर कपड़े सिलाई की दुकान चलाता था। वाकया देर शाम करीब साढ़े आठ बजे का है। वह दुकान पर बैठा था। तभी तीन युवक आए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस बीच उन्होंने चाकू निकालकर हमला शुरू कर दिया। इस पर वह हमलावरों के चंगुल से बचते हुए भागा तो हमलावर उसके पीछे भागे और फिर उसे पकड़ लिया। इस बार भी कई चाकू उसके शरीर पर घोंप दिए। इस बीच बचने के प्रयास में निजाम नाले में गिर गया और हमलावर वहां से लोगों को एकत्रित होते देख भाग गया। इसी बीच लोगों ने उसे नाले से निकाला और खबर पर पुलिस भी पहुंच गई। आनन–फानन उसे टिर्री से जिला अस्पताल लाया गया। मगर, उसने दम तोड़ दिया। इस बीच हत्या की खबर पर एसपी सिटी, सीओ प्रथम आदि पहुंच गए। प्राथमिक जांच में किसी तरह की रंजिश तो साफ नहीं हुई है, मगर लेनदेन का विवाद जरूर इसी इलाके के तीन लोगों से सामने आया है। परिवार की ओर से इन्हीं तीनों को नामजद कर तहरीर दी गई है। फिलहाल पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। – दर्जी की चाकू से गोदकर हत्या की गई है। प्रारंभिक जांच में लेनदेन विवाद सामने आया है। परिवार की ओर से फरियाद, यूनुस व नसरू के नाम बताए जा रहे हैं। उन्हीं के खिलाफ तहरीर मिली है। फिलहाल मुकदमा व पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कराई जा रही है। – राघवेंद्र सिंह, सीओ प्रथम

खैर तहसील के 13 गांवों को लेकर यीडा और एडीए आए आमने सामने

अलीगढ़ ब्यूरो : खैर तहसील के टप्पल ब्लाक के 13 गांवों को लेकर यीडा और एडीए आमने सामने आ गए हैं। कारण ये है कि यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने अलीगढ़ विकास प्राधिकरण की सीमा के 13 गांवों को अपने नक्शे में शामिल कर लिया है। ये जानकारी मिलते ही अलीगढ़ में खलबली मच गई है, क्योंकि अलीगढ़ की महायोजना 2021 में इन गांवों को विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने इस संबंध में पत्र लिख कर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को पत्र लिखा है। वर्ष 2008 से अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) की सीमा में शामिल खैर क्षेत्र के 13 गांव शामिल थे। अलीगढ़ महायोजना 2031 को तैयार करने के दौरान जब नया नकशा बनना शुरू हुआ तो पता चला कि 13 गांवों में से कई गांव यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा जारी विकास के प्रस्तावित नक्शों में दिखाए जा रहे हैं। ये जानकारी मिलने पर अधिकारियों में खलबली मच गई। मंडलायुक्त गौरव दयाल तक मामला पहुंचा तो उन्होंने एक्सप्रेस–वे विकास प्राधिकरण व शासन को पत्र लिख कर इन गांवों को अलीगढ़ विकास प्राधिकरण की सीमा में रखने का अनुरोध किया है। जिससे यहां की महायोजना बेहतर ढंग से परवान चढ़ सके। गौर हो कि वर्ष 2008 से पहले एडीए का जिले में दायरा 4482 वर्ग हेक्टेयर था। इसमें एक नगर निगम, एक नगर पंचायत व 203 गांव शामिल थे। महायोजना 2011 भी इसी दायरे से बनी थी। इसके बाद एडीए ने नया गजट जारी कर 407 गांवों व तीन नगर पंचायतों को अपने इलाके में बढ़ा लिया। एक साल बाद यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने भी अपना दायरा बढ़ाया, जिसमें खैर क्षेत्र के 13 गांव शामिल कर लिए गए। ये वही गांव थे, जिनको एडीए पहले ही अपने संशोधित गजट में शामिल कर चुका था। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने इसके लिए यमुना एक्सप्रेस वे विकास प्राधिकरण के अफसरों को पत्र लिखा है। जिसमें राजपुर, नरायनपुर, मोहसिनपुर, पलाविरान, धूमरा, गढ़ीनगला, श्योराम, मथना, मानपुर कलां, निवसानी, मदनपुर, शिवाला, अहरौला, बझेड़ा गांव को अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के लिए छोड़ने का अनुरोध किया गया है। गौर हो कि यमुना एक्सप्रेस वे विकास प्राधिकरण की हाल ही में एक बैठक हुई थी, जिसमें यहां के सहायक अभियंता वेद प्रकाश सिंह भी शामिल हुए थे। बोर्ड ने भी इन गांव को एडीए के लिए छोड़ने पर सहमति दी है।

ग्राम पंचायतों में दिखेगा दस का दम, स्वच्छता हरदम

अलीगढ़ ब्यूरो : दस का दम, स्वच्छता हरदम अभियान से ग्राम पंचायतों के कायाकल्प की तैयारी है। पंचायती राज विभाग द्वारा दो अक्तूबर से 31 जनवरी 2022 तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत गांव गांव कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाने के साथ ही अपने गांव को स्वच्छ रखने के गुर भी सिखाए जा रहे हैं। जिला पंचायतराज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि दस का दम, स्वच्छता हरदम अभियान में 10 तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें दो से 15 अक्तूबर तक स्वच्छता संदेश प्रसारित करने का काम हो रहा है। चार से 31 अक्तूबर तक प्लास्टिक का निस्तारण कार्यक्रम चल रहा है। एक से 15 नवंबर तक वित्त आयोग का सहयोग, स्वच्छता में हो उपयोग कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। 16 से 30 नवंबर तक सुजलाम अभियान चलेगा। एक से 15 दिसंबर तक शौचालय में सुरक्षा में चूक अभियान चलेगा। 16 से 31 दिसंबर तक दो गड्ढे वाले शौचालय का निर्माण, स्थायित्व की पहचान अभियान चलेगा। एक से 15 जनवरी तक हर कोई हर रोज हमेशा अभियान पर काम होगा। 16 से 31 जनवरी तक हमारा गांव, हमारी शान अभियान चलेगा। 26 जनवरी के जिले में संकल्प समृद्धि का उत्सव मनाया जाएगा।

रावण का आज होगा दहन, 40 किमी दूर से आया पुतला

अलीगढ़ ब्यूरो : विजयदशमी पर शस्त्र पूजन के साथ आज शहर में जगह–जगह अभिमानी रावण के पुतले का दहन होगा। इससे पहले सांकेतिक रूप से राम–रावण के युद्ध का भी मंचन होगा। रामलीला मैदान में दहन होने वाला रावण का पुतला 40 किमी दूर डिबाई के दानपुर गांव में अशफाक ने तैयार किया है। जो बृहस्पतिवार देर रात तक रामलीला मैदान पहुंचा। बता दें कि रामलीला मैदान में श्री रामलीला गोशाला समिति द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के तहत रावण दहन मेले का आयोजन होगा। कोरोना के चलते लगातार दूसरे साल यह मेला नुमाइश मैदान की जगह रामलीला मैदान में आयोजित हो रहा है। यहां दहन होने वाला रावण का पुतला डिबाई के दानपुर गांव निवासी अशफाक ने तैयार किया है। बृहस्पतिवार शाम तक पुतले को तैयार किया जाता रहा। इसके बाद देर रात इस पुतले को लोडर में रखकर अलीगढ़ लाया गया। अशफाक ने बताया कि आज पुतले को खड़ा कर इसमें आतिशबाजी लगाएंगे। श्री रामलीला गोशाला समिति के संयोजक अरविंद कुमार और उपाध्यक्ष विमल अग्रवाल ने बताया कि शाम को विधिविधान से पुतले का दहन करेंगे। बुराई पर अच्छाई के प्रतीक विजयदशमी की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। इसके साथ ही नगला बरौला स्थित ग्यासीराम रामलीला मैदान में 20 फीट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। नगला भमोला में आयोजित रामलीला महोत्सव के तहत नगला भमोला पथवारी के होली चौक पर 15 फीट के रावण के पुतले का दहन होगा। इसके अलावा शहर की विभिन्न कॉलोनी, गली–मोहल्ले में भी रावण पुतला दहन की तैयारियां की गई हैं। ओजोन सिटी में बच्चो के सहयोग से तैयार हुए रावण के पुतले का दहन सर्किल नंबर दो पर किया जाएगा। यह रावण प्रवेश गौतम और बच्चों के सहयोग से बनाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस–प्रशासन रहेगा तैनात। विजयादशमी पर शहर में शांति व्यवस्था कायम रखने और सुरक्षा की व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन तैनात रहेगा। जगह–जगह होने वाले रावण दहन के आयोजन में भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं सादा वर्दी में भी विभिन्न चौराहे से लेकर आयोजन स्थल तक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा बृहस्पतिवार शाम से शहर के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों में पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरू किया।

ढोल–नगाड़ों के बीच आज धूमधाम से निकलेगी गोरक्षपीठाधीश्वर की विजयादशमी शोभायात्रा

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर में विजयदशमी के मौके पर ढोल–नगाड़े और तुरही की धुन के बीच धूमधाम से गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भव्य शोभायात्रा निकलेगी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार शाम 4 बजे निकलने वाली यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बृहस्पतिवार को दिन भर पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा इंतजाम और शोभायात्रा मार्ग की साफ सफाई करवाने में जुटे रहे। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुली जीप में बने रथ पर सवार होकर इस शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। परंपरा के अनुसार, विजयादशमी के दिन गुरु गोरक्षनाथ के पूजन–अर्चन के बाद शाम 4 बजे गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा निकालेगी जो सीधे मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी। यहां गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर महादेव की पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां चल रही रामलीला में वह प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारेंगे। शोभायात्रा के पहले तिलकोत्सव। विजयादशमी के दिन शुक्रवार को 3 बजे तिलक हाल में पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर, श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। भजन कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। गोरक्षपीठाधीश्वर पीठ से जुड़े योगी, महंत, पुजारी, पुरोहित मंगल पाठ के बीच तिलक का आशीर्वाद लेंगे। उसके बाद गृहस्थ शिष्य तिलक कर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। तिलकोत्सव का यह कार्यक्रम एक घंटे तक चलेगा। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के चेयरमैन चौधरी कैफुल वरा हर साल की तरह इस बार भी गोरक्षपीठाधीश्वर की विजयादशमी शोभायात्रा का स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों में काफी उत्साह है। शुक्रवार को काफी संख्या में मुस्लिम समाज जुलूस की आगवानी करेगा। शोभायात्रा के बाद मंदिर में होगा सहभोज। शुक्रवार को शोभायात्रा के बाद जब गोरक्षपीठाधीश्वर शाम को मंदिर लौटेंगे तो वहां सहभोज का कार्यक्रम होगा। इस परंपरागत सहभोज में अमीर–गरीब और जाति–मजहब के भेद से परे बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग शामिल होंगे। दंडाधिकारी की भूमिका में होंगे योगी। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी पर्व की शुरूआत शुक्रवार की सुबह 9 बजे श्रीनाथ जी(शिवावतारी गुरु गोरक्षनाथ) के विशिष्ठ पूजन से होगी। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री मुख्य मंदिर में श्रीनाथ जी एवं सभी देवों पूजन करेंगे। सभी को भोग लगाएंगे। उसके बाद वह हमेशा की तरह सीएम योगी आदित्यनाथ गोशाला जाएंगे जहां गो सेवा कर गाय का पूजन करेंगे और उन्हें गुड़ व चना खिलाकर दुलार करेंगे। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री पारण करेंगे। हर साल गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी की रात पात्र पूजा का अनुष्ठान होता है। गोरक्षपीठाधीश्वर पात्र देवता के रूप में प्रतिष्ठित होते हैं। रात 9.30 बजे से शुरू होने वाले इस पूजन में पात्र देवता गोरक्षपीठाधीश्वर दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। पूजन के बाद संतों–योगियों की अदालत लगती है जिसमें नाथपंथ की परम्परा के अनुसार हर वर्ष विजयादशमी की रात गोरखनाथ मंदिर में पात्र देवता पीठाधीश्वर संतों के विवादों का निस्तारण करते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर संतो के आपसी विवाद सुलझाते हैं।

स्वर्णकार समाज ने दिया एकजुटता का संदेश, प्रतिनिधित्व भी मांगा

गोरखपुर ब्यूरो : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले स्वर्णकार समाज ने एकजुटता का संदेश दिया है। प्रदेशभर के अलग–अलग संगठन एक प्लेटफार्म पर आ गए हैं। हर जिले में सम्मेलन करके आगामी विधानसभा चुनाव में प्रतिनिधित्व भी मांग रहे हैं। नवंबर में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान व गोरखपुर में बड़ा सम्मेलन होगा। इसमें समाज के संगठित होने का संदेश दिया जाएगा। यूपी के स्वर्णकार समाज को संगठित करने की मुहिम कौड़ीराम क्षेत्र से पूर्व जिला पंचायत सदस्य व संरक्षक विनय वर्मा ने शुरू की है। वह अलग–अलग जिलों में जाकर सम्मेलन कर रहे हैं। साथ ही स्वर्णकार समाज से जुड़े संगठनों को संगठित रहने का मंत्र दे रहे हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य का कहना है कि यूपी में स्वर्णकार समाज की आबादी साढ़े छह फीसदी है, फिर भी विधानसभा या फिर विधान परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। स्वर्णकार समाज का एक भी विधायक नहीं है। यही हाल लोकसभा के चुनाव में भी रहा है। प्रदेश के करीब 75 जिलों को दौरा हो गया है। अब तक स्वर्णकार समाज के 11 नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मिले हैं। पांच ब्लॉक प्रमुख हैं। पार्षदों की संख्या भी कम है। गोरखपुर के ऋषि मोहन वर्मा को ही नगर निगम के उपसभापति की जिम्मेदारी मिली है। गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल के अलग–अलग जिलों

में भी जल्द ही सम्मेलन करके स्वर्णकार समाज को संगठित किया जाएगा। सबसे कहा जाएगा कि अगर राजनीतिक दल प्रतिनिधित्व नहीं देते हैं तो किसी एक या दो सीट से समाज का प्रत्याशी लड़ाया जाएगा। ऐसे प्रत्याशी की मदद समाज के सभी लोग करेंगे। मगहर की नगर पालिका चेयरमैन संगीता वर्मा, तमकुहीराज के श्याम सुंदर विश्वकर्मा और हाटा के ऋषि मोहन वर्मा भी इस मुहिम को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। मतदाता अच्छे, फिर भी प्रतिनिधित्व नहीं। विनय वर्मा का कहना है कि शाहजहांपुर की जिस सीट से भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना जीतकर आते हैं, वहां स्वर्णकार मतदाताओं की संख्या 45–50 हजार है। खत्री मतदाताओं की संख्या बेहद कम है। यही हाल जौनपुर, संतकबीरनगर, देवरिया का भी है। गोरखपुर, बस्ती में भी स्वर्णकार समाज के मतदाताओं की संख्या अच्छी है। इसके बावजूद राजनीतिक दल प्रतिनिधित्व देने से कतराते रहे हैं।

मैजिक ने भीड़ को रौंदा, किशोरी की मौत, पांच लोग गंभीर रूप से घायल

कुशीनगर ब्यूरो : कुशीनगर जिले में मेला देखने जा रही महिलाओं को हाटा कोतवाली क्षेत्र के झांगा बाजार के समीप गुरुवार की रात पीछे से तेज रफ्तार में आ रही मैजिक ने रौंद दिया। इससे एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि चार युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहीं एक बच्चा भी मैजिक की चपेट में आ गया। आसपास के लोग सभी घायलों को हाटा सीएचसी ले गए, जहां गंभीर घायल युतियों को डॉक्टर ने गोरखपुर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार हाटा कोतवाली क्षेत्र के बेलवा सुदामा गांव के एक ही परिवार के सभी लोग रात के करीब नौ बजे झांगा मेला देखने जा रहे थे। नवरात्र के मौके पर परिवार के सभी लोग हंसी–मजाक करते हुए चल रहे थे। अभी झांगा बाजाक के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार मैजिक अचानक बेकाबू हो गई, और सभी लोगों को रौंदते हुए निकल गई। इस घटना में रीना (16) की मौत हो गई, जबकि सीमा, अंजू, सुष्मिता व एक अन्य सीमा नाम की युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक बच्चा भी मैजिक की चपेट में आने से घायल हो गया। मौके पर अफरा–तफरी व चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से सभी को अस्पताल भिजवाया। वही रीना के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।